Class 10 Hindi Sparsh Chapter 3: मनुष्यता (Manushyata) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Manushyata Class 10 notes (मनुष्यता) CBSE कक्षा 10 हिंदी स्पर्श भाग 2 के तीसरे पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: मैथिलीशरण गुप्त का परिचय, कविता का छंद-वार भाव, पौराणिक दानवीरों के उदाहरण, मनुष्यता के गुण, काव्य-सौंदर्य, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- पौराणिक दानवीर और उनका त्याग
- मनुष्यता के गुण
- काव्य-सौंदर्य
- कविता का छंद-वार सार
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

मैथिलीशरण गुप्त (1886–1964) का जन्म उत्तर प्रदेश के झाँसी ज़िले के चिरगाँव में हुआ। वे खड़ी बोली हिंदी के प्रमुख कवि थे और महात्मा गांधी ने उन्हें 'राष्ट्रकवि' कहा। प्रमुख रचनाएँ: भारत-भारती, साकेत, यशोधरा, जयद्रथ वध, पंचवटी, द्वापर। उन्हें पद्मभूषण मिला और वे राज्यसभा के सदस्य भी रहे।

'मनुष्यता' कविता में कवि बताते हैं कि सच्चा मनुष्य वही है जो दूसरों के लिए जीता और मरता है। मृत्यु निश्चित है, इसलिए ऐसा जीवन जियो कि मरने के बाद भी लोग याद करें। कवि रंतिदेव, दधीचि, उशीनर (शिवि) और कर्ण जैसे दानवीरों के उदाहरण देकर परोपकार, उदारता, सहानुभूति, विनम्रता और भाईचारे का संदेश देते हैं।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

सुमृत्यु: ऐसी मृत्यु जो याद रहे

- कवि कहते हैं कि मनुष्य नश्वर है, इसलिए मृत्यु से डरना नहीं चाहिए।
- पर ऐसी "सुमृत्यु" होनी चाहिए कि मरने के बाद भी लोग हमें याद करें।
- जो केवल अपने लिए जीता है, वह पशु के समान है; सच्चा मनुष्य वही है जो दूसरों के लिए जीए और मरे।

उदारता की महिमा

- उदार व्यक्ति की चर्चा पुस्तकों और इतिहास में सदा होती है।
- धरती भी उदार व्यक्ति के प्रति कृतज्ञ रहती है और उसकी कीर्ति सदा गूँजती है।
- सारी सृष्टि उदार व्यक्ति की पूजा करती है।

पौराणिक दानवीरों के उदाहरण

- रंतिदेव: भूख से व्याकुल होते हुए भी अपना भोजन का थाल भूखे को दे दिया।
- दधीचि: देवताओं की रक्षा के लिए अपनी अस्थियाँ दान कर दीं, जिनसे वज्र बना।
- उशीनर (राजा शिवि): कबूतर की रक्षा के लिए अपने शरीर का मांस दे दिया।
- कर्ण: अपना कवच-कुंडल दान कर दिया, यह जानते हुए भी कि इससे उसकी मृत्यु निश्चित है।
- संदेश: नश्वर शरीर के लिए मनुष्य को डरना नहीं चाहिए; परोपकार ही अमरता देता है।

सहानुभूति और विनम्रता

- सहानुभूति ही सबसे बड़ी पूँजी है; इसी से सारी पृथ्वी वश में की जा सकती है।
- महात्मा बुद्ध ने करुणा के बल पर पुरानी रूढ़ियों का विरोध किया और संसार उनके आगे झुका।
- धन के घमंड में अंधा नहीं होना चाहिए; कोई अनाथ नहीं है, क्योंकि ईश्वर सबके साथ है।
- भाग्यहीन वह है जो अधीर होकर निराश हो जाता है।

भाईचारा और साथ चलना

- सभी मनुष्य एक ही ईश्वर की संतान हैं, इसलिए सब भाई-भाई हैं।
- अपने इच्छित मार्ग पर प्रसन्नता से चलो, बाधाओं को हटाते चलो।
- आपसी मेल-जोल से रहो, एक-दूसरे की सहायता करो, ताकि कोई पीछे न छूटे।
- जो दूसरों के उत्थान के साथ स्वयं भी आगे बढ़ता है, वही समर्थ है।

पौराणिक दानवीर और उनका त्याग

सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा बिंदु।

दानवीर	त्याग
रंतिदेव	भूखे को अपना भोजन का थाल दे दिया
दधीचि	देवताओं के लिए अस्थियाँ दान कीं
उशीनर (शिवि)	कबूतर की रक्षा हेतु अपना मांस दिया
कर्ण	कवच-कुंडल दान किए

मनुष्यता के गुण

कविता के आधार पर।

- परोपकार और त्याग
- उदारता और दानशीलता
- सहानुभूति और करुणा
- विनम्रता, धन का घमंड न करना
- भाईचारा और मिल-जुलकर चलना
- धैर्य और ईश्वर पर विश्वास

काव्य-सौंदर्य

काव्य-सौंदर्य प्रश्नों के लिए।

पक्ष	विवरण
भाषा	तत्सम प्रधान खड़ी बोली
रस	शांत/वीर रस
शैली	उपदेशात्मक
अलंकार	अनुप्रास, दृष्टांत, पुनरुक्ति प्रकाश
गुण	प्रसाद
विशेषता	पौराणिक उदाहरणों का प्रयोग

कविता का छंद-वार सार

छंद	मुख्य भाव
1	मृत्यु से न डरो; सुमृत्यु हो; दूसरों के लिए जियो
2	उदार व्यक्ति की कीर्ति अमर रहती है
3	रंतिदेव, दधीचि, उशीनर, कर्ण का त्याग
4	सहानुभूति सबसे बड़ी पूँजी; बुद्ध की करुणा
5	धन का घमंड न करो; कोई अनाथ नहीं
6	सब एक पिता की संतान, भाई-भाई
7	मिलकर चलो, सबका उत्थान करो

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
मर्त्य	मरणशील
सुमृत्यु	अच्छी मृत्यु
वृथा	व्यर्थ
पशु-प्रवृत्ति	पशु जैसा स्वभाव
उदार	दानशील
बखानती	गुणगान करती
कृतार्थ	आभारी
कीर्ति	यश
सजीव	जीवित
क्षुधार्त	भूख से व्याकुल
करस्थ	हाथ में
परार्थ	दूसरों के लिए
अस्थिजाल	हड्डियों का समूह
उशीनर	राजा शिवि
क्षितीश	राजा

चर्म	त्वचा
अनित्य	नश्वर
सहानुभूति	दया, करुणा
महाविभूति	सबसे बड़ी पूँजी
मदांध	घमंड में अंधा
अनाथ	जिसका कोई न हो
अधीर	व्याकुल
अतर्क्य	जिसके बारे में तर्क न किया जा सके
अभीष्ट	इच्छित
सपक्ष	साथ

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है?

उत्तर: जो व्यक्ति दूसरों की भलाई के लिए जीवन जीता और मरता है, जिसे मरने के बाद भी लोग याद करते हैं, उसकी मृत्यु को कवि ने सुमृत्यु कहा है।

प्रश्न 2. उदार व्यक्ति की पहचान कैसे हो सकती है?

उत्तर: उदार व्यक्ति दूसरों के लिए त्याग करता है, परोपकार करता है और बदले में कुछ नहीं चाहता। उसकी कीर्ति पुस्तकों और इतिहास में अमर रहती है और धरती उसके प्रति कृतज्ञ रहती है।

प्रश्न 3. कवि ने दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर 'मनुष्यता' के लिए क्या संदेश दिया है?

उत्तर: कवि ने संदेश दिया है कि मनुष्य को परोपकार के लिए अपना सब कुछ, यहाँ तक कि अपना शरीर भी, त्यागने को तैयार रहना चाहिए। नश्वर शरीर का मोह छोड़कर दूसरों की भलाई करनी चाहिए।

प्रश्न 4. कवि ने किन पंक्तियों में यह व्यक्त किया है कि हमें गर्व-रहित जीवन व्यतीत करना चाहिए?

उत्तर: कवि ने उस अंश में यह कहा है जहाँ वे धन के घमंड में अंधा न होने और स्वयं को सनाथ जानकर गर्व न करने की बात करते हैं, क्योंकि ईश्वर सबके साथ है और कोई अनाथ नहीं।

प्रश्न 5. 'मनुष्य मात्र बंधु है' से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: इसका अर्थ है कि संसार के सभी मनुष्य एक ही ईश्वर की संतान हैं, इसलिए सब आपस में भाई-भाई हैं। हमें भेदभाव छोड़कर सबके साथ प्रेम और सहयोग से रहना चाहिए।

प्रश्न 6. कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है?

उत्तर: एक होकर चलने से सबकी उन्नति होती है, बाधाएँ दूर होती हैं और कोई पीछे नहीं छूटता। आपसी सहयोग से ही समाज और राष्ट्र मज़बूत बनते हैं।

प्रश्न 7. व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करना चाहिए? इस कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर: व्यक्ति को परोपकारी, उदार, सहानुभूतिपूर्ण और विनम्र जीवन जीना चाहिए। धन का घमंड छोड़कर सबके साथ भाईचारे से रहना और दूसरों के उत्थान में सहायता करनी चाहिए।

प्रश्न 8. 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर: कवि संदेश देता है कि सच्चा मनुष्य वही है जो दूसरों के लिए जीता है। परोपकार, सहानुभूति, उदारता और भाईचारा ही मनुष्यता के सच्चे गुण हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. 'मनुष्यता' कविता में दिए गए पौराणिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए उनका महत्व बताइए।

- रंतिदेव ने भूख से व्याकुल होकर भी अपना भोजन भूखे को दे दिया।
- दधीचि ने देवताओं के लिए अपनी अस्थियाँ दान कीं।
- उशीनर (शिवि) ने कबूतर बचाने के लिए अपना मांस दिया।
- कर्ण ने कवच-कुंडल दान कर दिए।
- महत्व: ये उदाहरण बताते हैं कि परोपकार के लिए त्याग ही मनुष्य को अमर बनाता है।

प्रश्न 2. 'मनुष्यता' कविता के आधार पर सच्चे मनुष्य के गुण लिखिए।

- दूसरों के लिए जीना और मरना।
- उदारता और दानशीलता।
- सहानुभूति और करुणा।
- धन और पद का घमंड न करना।
- सबको भाई मानकर मिल-जुलकर आगे बढ़ना।

प्रश्न 3. सहानुभूति को 'महाविभूति' क्यों कहा गया है?

- सहानुभूति से दूसरों का दुख अपना लगता है।
- इससे व्यक्ति सबका प्रिय बन जाता है।
- इसके बल पर सारी पृथ्वी को वश में किया जा सकता है।
- बुद्ध ने करुणा के बल पर संसार को झुका दिया।
- इसलिए सहानुभूति सबसे बड़ी संपत्ति है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. 'मनुष्यता' कविता के कवि हैं

(क) सुमित्रानंदन पंत (ख) मैथिलीशरण गुप्त (ग) निराला (घ) दिनकर

उत्तर: (ख) मैथिलीशरण गुप्त

2. मैथिलीशरण गुप्त को 'राष्ट्रकवि' किसने कहा?

(क) नेहरू (ख) महात्मा गांधी (ग) टैगोर (घ) पटेल

उत्तर: (ख) महात्मा गांधी

3. अपनी अस्थियाँ दान करने वाले ऋषि थे

(क) वशिष्ठ (ख) दधीचि (ग) विश्वामित्र (घ) अगस्त्य

उत्तर: (ख) दधीचि

4. कबूतर की रक्षा के लिए मांस किसने दिया?

(क) कर्ण (ख) उशीनर (शिवि) (ग) रंतिदेव (घ) हरिश्चंद्र

उत्तर: (ख) उशीनर (शिवि)

5. कर्ण ने क्या दान किया?

(क) धनुष (ख) कवच-कुंडल (ग) राज्य (घ) रथ

उत्तर: (ख) कवच-कुंडल

6. भूखे को अपना भोजन किसने दिया?

(क) रंतिदेव (ख) दधीचि (ग) कर्ण (घ) शिवि

उत्तर: (क) रंतिदेव

7. कवि ने सबसे बड़ी पूँजी किसे कहा है?

(क) धन (ख) सहानुभूति (ग) विद्या (घ) बल

उत्तर: (ख) सहानुभूति

8. कवि के अनुसार अनाथ कौन है?

(क) गरीब (ख) कोई नहीं (ग) अकेला (घ) अनपढ़

उत्तर: (ख) कोई नहीं – ईश्वर सबके साथ है

9. 'मर्त्य' का अर्थ है

(क) अमर (ख) मरणशील (ग) मित्र (घ) मूर्ख

उत्तर: (ख) मरणशील

10. 'साकेत' किसकी रचना है?

(क) मैथिलीशरण गुप्त (ख) पंत (ग) प्रसाद (घ) महादेवी

उत्तर: (क) मैथिलीशरण गुप्त

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- कवि: मैथिलीशरण गुप्त (1886–1964), चिरगाँव (झाँसी); राष्ट्रकवि; साकेत, भारत-भारती।
- सुमृत्यु: ऐसी मृत्यु जो याद रहे; दूसरों के लिए जियो।
- दानवीर: रंतिदेव (भोजन), दधीचि (अस्थियाँ), उशीनर (मांस), कर्ण (कवच-कुंडल)।
- सहानुभूति = महाविभूति; बुद्ध की करुणा।
- धन का घमंड न करो; कोई अनाथ नहीं।
- सब एक पिता की संतान; मिलकर चलो।

सारांश (Summary)

'मनुष्यता' कविता में मैथिलीशरण गुप्त कहते हैं कि मृत्यु निश्चित है, इसलिए ऐसा जीवन जियो कि मरने के बाद भी लोग याद करें। सच्चा मनुष्य वही है जो दूसरों के लिए जीता है। उदार व्यक्ति की कीर्ति अमर रहती है, जैसे रंतिदेव, दधीचि, उशीनर और कर्ण की।

कवि सहानुभूति को सबसे बड़ी पूँजी बताते हैं, धन के घमंड से बचने की सलाह देते हैं और कहते हैं कि सभी मनुष्य एक ईश्वर की संतान होने के कारण भाई-भाई हैं। हमें मिल-जुलकर, एक-दूसरे की सहायता करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- चारों दानवीरों और उनके त्याग की तालिका अवश्य याद करें।
- सुमृत्यु और उदार व्यक्ति की पहचान वाले प्रश्न बार-बार आते हैं।
- 'मनुष्य मात्र बंधु है' का आशय स्पष्ट लिखें।
- कविता का संदेश दीर्घ उत्तर में बिंदुवार लिखें।
- आधुनिक कविता होने के कारण पंक्तियाँ अपनी पाठ्यपुस्तक से ही उद्धृत करें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?

सच्चा मनुष्य वही है जो दूसरों के लिए जिए; परोपकार, सहानुभूति और भाईचारा ही मनुष्यता है।

क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?

हाँ, यह CBSE हिंदी B की पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 में है।

क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

मनुष्यता कविता परोपकार और भाईचारे का अमर संदेश देती है। दानवीर तालिका और छंद-वार सार दोहराकर इस पाठ के सभी प्रश्नों में पूरे अंक पाएँ।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Sparsh Chapter 2: मीरा – पद notes | Class 10 Hindi Sparsh Chapter 4: पर्वत प्रदेश में पावस notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi B) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।